प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

संकलित परीक्षा - 2 (२०१६ - २०१७)

कक्षा - दसवीं

पाठ्यक्रम - हिंदी 'अ'

उत्तर संकेत

खंड क

(अपठित बोध)

1. अपठित गद्यांश 1x5=5

(i) क) धैर्य और न्यूनतम आवश्यकता ।

(ii) ग) अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है।

(iii) घ) कष्ट सहने की आदत।

(iv) ख) अपने उच्च विचारों के कारण।

(v) क) उदारता ।

2. अपठित गद्यांश 1x5=5

(i) ग) इंटरनेट जैसी अन्य तकनीक पुस्तकालयों को खत्म कर देगी ।

(ii) ग) सब्जियों की दुकान का ।

(iii) ख) साथ रहना ।

(iv) ख) सैंकडों हजारों किताबों के बीच होने का सुख ।

(v) ग) भारत के पुस्तकालयों पर ।

3. अपठित काव्यांश 1x5=5

(i) ख) सन्यास

(ii) ग) मानव जाति को सुखी बनाना

(iii) क) स्नेह तथा बलिदान से ।

iv) घ) धरती युद्ध के भय से मुक्त होगी।

v) ग) इक।

4. अपठित काव्यांश 1x5=5

(i) घ) वह कष्ट सहकर दूसरो को प्रकाश देता है ।

(ii) ख) दूसरो को दुख देता है ।

(iii) ग) उन्नति के लिए ।

iv) ग) विज्ञान के कारण होने वाले परिवर्तन ।

v) घ) समाज में हो रहे परिवर्तनों के अनुसार ।

खंड ख अंक 15

(व्यावहारिक व्याकरण) 1x3=3

5. रचना के आधार पर वाक्य भेद

क) परिश्रमी व्यक्ति के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

ख) जब शिक्षक कक्षा में आए तो छात्र चुप हो गए।

ग) बाग़ में मोहन ने रवि को देखा और आश्चर्यचकित हो गया ।

6. वाच्य 1x4=4

क) सरकार ने लोक कलाकारों का सम्मान किया । 1

ख) प्रेरणा से कभी चुप नहीं बैठा जाता । 1

ग) मेरे द्वारा प्रेमचंद का उपन्यास गोदान पढ़ा गया। 1

घ) तुमसे पढ़ा नहीं जाता। 1

7. पद परिचय 1x4=4

क) ताजमहल - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक। 1

ख) यह - सार्वनामिक, विशेषण, पुस्तक विशेष्य, एकवचन, स्त्रीलिंग । 1

ग) की अपेक्षा - संबंधबोधक अव्यय, (तुलनात्मक) । 1

घ) शाबाश -विस्मयबोधक अव्यय, हर्ष बोधक। 1

8.रस 1x4=4

क) श्रृंगार रस को रसराज कहा जाता है । 1

ख) क्रोघ - रौद्र रस, जुगुप्सा - वीभत्स रस। ½ x½=1

ग) वीर रस का उदाहरण 1

हे सारथे! हैं द्रोण क्या, देवेंद्र भी आकर अड़ें

है खेल क्षत्रिय बालकों का, व्यूह-भेदन कर लड़ें ।

मै सत्य कहता हूं सखे! सुकुमार मत जानो मुझे,

यमराज से भी युद्घ को, प्रस्तुत जानो मुझे ।

घ) रस के अंग - स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। 1

खंड ग **अंक 35**

(पाठ्य पुस्तक)

9. क) अजमेर से पहले लेखिका के पिता इंदौर में रहते थे। वहां उनकी बडी प्रतिष्ठा, सम्मान एवं नाम था । 2

ख) लेखिका के पिताजी शिक्षा को केवल उपदेश की चीज नही समझते थे । वे उसे व्यावहारिक जीवन में अपनाते थे । उन्होंने दस-दस विधार्थियो को अपने धर में रखकर पढाया था। 2

ग) एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी 1

10. 2x5=10

क) स्त्रियों को शिक्षित करना अनर्थकारी है तथा गृह सुख का नाश करनेवाला है। यह धारणा पूरी तरह से गलत है।

ख) अविष्कर्ता किसी नई वस्तु का अविष्कार करता है। जिस योग्यता, प्रवृति या प्रेरणा के बल पर किसी वस्तु का अविष्कार हुआ वह व्यक्ति विशेष की संस्कृति है। जो चीज दूसरो के लिए अविष्कृत की, वह सभ्यता है।

ग) बिस्मिल्ला खां एक महान कलाकार थे। उन्होने अपनी कला को धनोपार्जन का माघ्यम कभी नही बनाया। कला के प्रति उनके समर्पण को देखकर ही उन्हे देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया ।

घ) पाठ का मूल संदेश यह है कि स्त्रियो को शिक्षित किया जाना आवश्यक है । प्राचीन परंपरा की दुहाई देकर उनको शिक्षा के अघिकार से वंचित नही किया जा सकता ।

घ) बिस्मिल्ला खां के व्यक्तित्व की विशेषताएं-

घार्मिक सौहार्द की भावना, सीघा- सरल जीवन, विनम्रता, प्रसिद्ध शहनाईवादक आदि ।

11.

क) गायन के समय संगतकार मुख्य गायक का साथ देता है । 1

ख) संगतकार अपनी आवाज को मुख्य गायक से नीची रखता है ताकि मुख्य गायक का महत्व कम न हो पाए । 2

ग) इस प्रकार की मनुष्यता वास्तव में परोपकार कहलाती है परंतु दुख की बात है कि आज के समय में यह उपहास का विषय बन गई है । ऐसी मनुष्यता दिखाने वाला कभी ऊपर नही उठ पाता । 2

12. 2x5=10

क) मां ने वस्त्रों और आभूषणों को शाब्दिक भ्रम कहा है। ये नारी जीवन के बंधन है। स्त्रियां वस्त्रों और आभूषणों की चकाचौंघ में बंधकर अपना अस्तित्व ही खो देती है।

ख) वीर योद्धा की विशेषताएं - वीर व्यक्ति धैर्यवान और क्षोभ रहित होता है। वीर योद्‍घा अपनी वीरता का बखान अपने मुहं से नही करते। अपशब्दों का प्रयोग नही करते। युद्ध स्थल में वीरता का प्रदर्शन करते है।

ग) जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिती होती है । विगत के सुख को याद करके वर्तमान के दु:ख को और गहरा करना तर्कसंगत नहीं है

घ) यद्धपि आधुनिक समय में स्त्रियों की दशा में सुधार हेतु अनेक कदम उठाए गए हैं, परंतु 'कन्यादान' कविता आज भी वर्तमान समाज का यथार्थ है। आज भी नारी का शोषण होता है।

ड) मेरे इस फरसे ने सहस्रबाहु की भुजाओं को काट डाला था। मेरे फरसे की कठोर आवाज तो गर्भ के बच्चो का भी नाश करने वाली है। उनके इन कथनो से उनके अहंकारी अभिमानी तथा क्रोधी स्वभाव का पता चलता है।

13. आजकल सैलानियों के कारण पहाडों आदि प्राकृतिक स्थलों पर वाहनों की आवाजाही काफी बढ गई है, जिससे वहां की वायु भी प्रदूषित होती है। जहां तक संभव हो सके, वहां तक पैदल यात्रा करना चाहिए तथा सार्वजनिक यातायात का प्रयोग करना चाहिए। वहां कूडा कचरा नहीं फैलाना चाहिए। लोगों को इस बारे में जागरुक करना चाहिए। 5

खंड घ **अंक 20**

(लेखन)

14. निबंध लेखन 10

प्रस्तुति	1
भाषा - शुद्धता	2
वाक्य विन्यास	1
विषयवस्तु (संकेत बिंदुओ के आधार पर)	4
समग्र प्रभाव	2

15. पत्र लेखन 5

प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 + 1		
विषयवस्तु	2	
भाषा शुद्धता	1	
16 सार लेखन		5
शीर्षक	1	
संक्षेपण (एक तिहाई शब्दो में)	2	
भाषा	2	